

Acharya in Jain Darshan Code No. (231)

Set No. 1

Question Booklet No. 00002

17P/268/17

(To be filled up by the candidate by blue/black ball-point pen)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Roll No. (Write the digits in words) २०१७ १५२

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date (Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only *blue/black ball-point pen* in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet no. on the Question Booklet.*
7. *Any change in the aforesaid entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit only **OMR Answer Sheet** at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

Total No. of Printed Pages : 24

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ पर दिये गए हैं।]

129,

SEAL

17P/268/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

सदे

Acharya in Jain Darshanam Code No. (291)

2017
17P/268/17

No. of Questions : 120

प्रश्नों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

Full Marks : 360

समय : 2 घण्टे

पूर्णाङ्क : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (Three) marks. **One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero** mark will be awarded for each unattempted question.

अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा।

(2) If more than one alternative answers seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

यदि एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

01. 'मोक्षमार्गस्य नेतारं भेत्तारं कर्मधूमृताम्' इति उद्धृतम्—

(1) समयसारात् (2) प्रवचनसारात् (3) तत्त्वार्थसूत्रात् (4) सन्मतिसूत्रात्

02. णमोकारमहामन्त्रः कस्मिन् ग्रन्थे मंगलाचरणरूपेण निबद्धः :

(1) समयसारे (2) षट्खण्डागमे (3) तत्त्वार्थसूत्रे (4) द्रव्यसंग्रहे

03. परीक्षामुखसूत्रस्य रचयिता—

(1) विद्यानन्दिः (2) माणिक्यनन्दिः (3) देवानन्दिः (4) बसुनन्दिः

17P/268/17

04. प्रथमानुयोगे भवन्ति-

- (1) कथाग्रन्थाः (2) आचारग्रन्थाः (3) न्यायग्रन्थाः (4) अध्यात्मग्रन्थाः

05. चरणानुयोगे समाहितो भवति-

- (1) रत्नकरण्डः (2) समयसारः (3) पद्यपुराणम् (4) गोम्मट्टसारः

06. 'तत्त्वार्थश्रद्धानं सम्यग्दर्शनम् ।' इति कस्य कथनम् - ?

- (1) आचार्यकुन्दकुन्दस्य (2) आचार्यहरिभद्रस्य
(3) आचार्यउमास्वामिनः (4) आचार्ययतिवृषभस्य

07. नियमसार ग्रन्थः केन विरचितः ?

- (1) आचार्यकुन्दकुन्देन (2) उमास्वामिना
(3) आचार्यसमन्तमभद्रेण (4) आचार्यअकलंकेन

08. करणानुयोगस्य आद्यरचना अस्ति-

- (1) समयसारः (2) तिलोयपण्णत्ती (3) तत्त्वार्थसूत्रं (4) स्याद्वादमंजरी

09. सर्वार्थसिद्धिः कस्य ग्रन्थस्य टीका ?

- (1) परीक्षामुखस्य (2) षड्दर्शनसमुच्चयस्य
(3) तत्त्वार्थसूत्रस्य (4) प्रमेयकमलमार्तण्डस्य

10. आकाशद्रव्यस्योपकारः वर्तते ?

- (1) अवगाहः (2) गतिः (3) स्थितिः (4) मनः

11. न्यायसिद्धान्तविषयको ग्रन्थोऽस्ति ?

- (1) प्रमेयरत्नमाला (2) अष्टपाहुडं (3) तत्त्वार्थसूत्रम् (4) नियमसारः

12. नियमसारग्रन्थस्य का भाषा ?

- (1) पेशाची प्राकृतम् (2) महाराष्ट्री प्राकृतम्
(3) संस्कृतम् (4) शौरसेनी प्राकृतम्

13. तत्त्वार्थराजवार्तिकम् कस्य ग्रन्थस्य टीका ?

- (1) आप्तमीमांसायाः (2) प्रमाणपरीक्षायाः (3) हादशानुप्रेसायाः (4) तत्त्वार्थसूत्रस्य

14. द्रव्यसंग्रहस्य वर्ण्य विषयोऽस्ति-

- (1) द्रव्य चर्चा (2) अध्यात्मचर्चा
(3) वाणिज्यचर्चा (4) सृष्टि-व्यवस्था-चर्चा

15. न्यायदीपिका-ग्रन्थस्य रचनाकारोऽस्ति-

- (1) धर्मभूषणयतिः (2) देवसेनः (3) स्वामिकार्तिकेयः (4) मल्लिषेणः

17P/268/17

16. मोक्षशास्त्रं कस्य अपरं नाम ?

- (1) गोम्मटसारस्य (2) समयसारस्य (3) त्रिलोकसारस्य (4) तत्त्वार्थसूत्रस्य

17. आचार्य कुन्दकुन्दप्रणीतोऽयम् ?

- (1) गोम्मटसारः (2) त्रिलोकसारः (3) आचारसारः (4) समयसारः

18. नैगमादिनयानां संख्याऽस्ति ?

- (1) पञ्च (2) षट् (3) सप्त (4) अष्ट

19. पञ्चास्तिकायेषु गणना न भवति--

- (1) जीवद्रव्यस्य (2) पुद्गलद्रव्यस्य (3) आकाशद्रव्यस्य (4) कालद्रव्यस्य

20. जैनरामाणनाम्ना विख्यातग्रन्थः--

- (1) हरिवंशपुराणम् (2) पाण्डवपुराणम् (3) आदिपुराणम् (4) पद्मपुराणम्

21. पार्श्वनाथः कतमो तीर्थकरः--

- (1) प्रथमः (2) अष्टमः (3) त्रयोविंशतितमः (4) चतुर्विंशतितमः

22. जैनदर्शने तत्त्वानि स्वीकृतानि--

- (1) पञ्च (2) षट् (3) सप्त (4) अष्ट

23. तत्त्वार्थसूत्रस्य रचयिता-

- | | |
|------------------------|----------------------|
| (1) आचार्य कुन्दकुन्दः | (2) पं. दौलतरामः |
| (3) आचार्य मानतुंगः | (4) आचार्यउमास्वामिः |

24. भगवातोमहावीरस्य जन्मभूमिः अस्ति-

- | | | | |
|------------|-------------|-------------|------------------|
| (1) वैशाली | (2) अयोध्या | (3) वाराणसी | (4) हस्तिनापुरम् |
|------------|-------------|-------------|------------------|

25. ऋषभदेवस्य जन्मभूमिः अस्ति-

- | | | | |
|-------------|-------------|------------|-----------------|
| (1) वाराणसी | (2) अयोध्या | (3) बिहारः | (4) कुण्डलपुरम् |
|-------------|-------------|------------|-----------------|

26. अष्टम तीर्थकरस्य नाम-

- | | | | |
|-------------|--------------|-----------------|---------------|
| (1) ऋषभनाथः | (2) शीतलनाथः | (3) चन्द्रप्रभः | (4) मल्लिनाथः |
|-------------|--------------|-----------------|---------------|

27. जैनमते कतिविधं प्रमाणभूमितम् -

- | | | | |
|-------------|---------------|---------------|----------------|
| (1) एकविधम् | (2) द्विविधम् | (3) त्रिविधम् | (4) चतुर्विधम् |
|-------------|---------------|---------------|----------------|

28. न्यायग्रन्थोऽयम् -

- | | | | |
|-----------------------|---------------------------|----------------|----------------|
| (1) परीक्षामुखसूत्रम् | (2) पुरुषार्थसिद्धि-उपायः | (3) अमृताशीतिः | (4) प्रवचनसारः |
|-----------------------|---------------------------|----------------|----------------|

29. आध्यात्मिकोऽयं ग्रन्थः -

- | | | | |
|------------------------|-----------------------|-------------|-----------------|
| (1) प्रमेयकमलमार्तण्डः | (2) तत्त्वार्थसूत्रम् | (3) समयसारः | (4) आप्तमीमांसा |
|------------------------|-----------------------|-------------|-----------------|

17P/268/17

30. इन्द्रियानिन्द्रियनिमित्तं भवति-

- (1) मतिज्ञानम् (2) मनः पर्यायज्ञानम् (3) अवधिज्ञानम् (4) केवलज्ञानम्

31. तर्कात् पूर्वं भवति-

- (1) अनुमानज्ञानम् (2) आगमज्ञानम् (3) केवलज्ञानम् (4) प्रत्याभिज्ञानम्

32. गतिसहायकं द्रव्यमस्ति-

- (1) धर्मद्रव्यम् (2) अधर्मद्रव्यम् (3) आकाशद्रव्यम् (4) कालद्रव्यम्

33. वर्तनालक्षणं द्रव्यमस्ति-

- (1) धर्मद्रव्यम् (2) अधर्मद्रव्यम् (3) आकाशद्रव्यम् (4) कालद्रव्यम्

34. प्रथमानुयोगे परिगणितोऽयं ग्रन्थः -

- (1) समयसारः (2) महापुराणम् (3) गोम्मटसारः (4) रत्नकरण्डः

35. षड्द्रव्येषु गणना भवति-

- (1) आस्रवस्य (2) बन्धस्य (3) अजीवस्य (4) पुद्गलस्य

36. आचार्यसमन्तमद्रस्य कृतिरियम् -

- (1) आप्तपरीक्षा (2) प्रवचनसारः (3) परीक्षामुखसूत्रम् (4) आप्तमीमांसा

37. परीक्षामुखसूत्रस्य टीका-

- (1) सर्वार्थसिद्धिः (2) तत्त्वार्थवार्तिकम् (3) प्रमेयकमलमार्तण्डः (4) आप्तपरीक्षा

38. श्रावकाचारस्य वर्णनं विद्यते-

- (1) रत्नकरण्डे (2) प्रवचनसारे (3) गोम्मटसारे (4) परीक्षामुखसूत्रे

39. 'प्रमाणनयैरधिगमः' इति वचनम् -

- (1) समयसारस्य (2) तत्त्वार्थसूत्रस्य (3) परीक्षामुखसूत्रस्य (4) रत्नकरण्डस्य

40. षड्द्रव्येषु बहुप्रदेशयः सन्ति-

- (1) एकः (2) द्वौ (3) त्रयः (4) पञ्च

41. मूर्तिकस्य द्रव्यस्य नामास्ति-

- (1) जीवः (2) पुद्गलः (3) धर्मः (4) अधर्मः

42. अनुप्रेक्षासु नाम नास्ति-

- (1) आस्रवस्य (2) संवरस्य (3) निर्जरायाः (4) मोक्षस्य

43. ज्ञानावरणादिकर्मप्रकृतयः सन्ति-

- (1) सप्त (2) अष्ट (3) नव (4) दश

17P/268/17

44. रत्नत्रयेषु न गण्यते-

- (1) सम्यग्दर्शनम् (2) सम्यग्ज्ञानम् (3) सम्यक्चारित्र्यम् (4) तपः

45. जैनदर्शनस्य प्रमुखः सिद्धान्तः अस्ति-

- (1) अनात्मवादः (2) पंचभूतवादः (3) स्याद्वादः (4) परमाणुवादः

46. शिक्षाव्रतानि भवन्ति-

- (1) अष्ट (2) दश (3) द्वादश (4) चत्वारि

47. उत्तमक्षमादीनि धर्मस्य लक्षणानि सन्ति-

- (1) अष्ट (2) नव (3) दश (4) द्वादश

48. अनुप्रेक्षाः भवन्ति-

- (1) अष्ट (2) दश (3) द्वादश (4) चतुर्दश

49. गुणव्रतानि भवन्ति-

- (1) द्वौ (2) त्रयः (3) चत्वारः (4) पञ्च

50. अणुव्रतानि भवन्ति-

- (1) द्वौ (2) त्रयः (3) चत्वारः (4) पञ्च

51. श्रावकस्य द्वितीयप्रतिमायाः नाम अस्ति-

- (1) ब्रह्मचर्यम् (2) दर्शनम् (3) व्रतम् (4) सामायिकम्

52. अनुयोगः कति भवन्ति-

- (1) चत्वारः (2) पञ्च (3) षट् (4) सप्त

53. कर्मसिद्धान्तानां वर्णनम् अस्ति-

- (1) द्रव्यानुयोगे (2) चरणानुयोगे (3) करणानुयोगे (4) प्रथमानुयोगे

54. चारित्रग्रन्थाः आगच्छन्ति-

- (1) द्रव्यानुयोग (2) चरणानुयोगे (3) करणानुयोगे (4) प्रथमानुयोगे

55. ध्यानस्वरूपप्रतिपादकोऽयं ग्रन्थः -

- (1) ज्ञानार्णवः (2) आप्तमीमांसा
(3) प्रवचनसारः (4) प्रमेयकमलमार्तण्डः

56. भूगोलविषयको जैनग्रन्थः -

- (1) समयसारः (2) प्रवचनसारः (3) नियमसारः (4) त्रिलोकसारः

57. द्वादशांगेषु परिगण्यते-

17P/268/17

(1) आचारांगम् (2) निःशंकितांगम् (3) निःकाक्षितांगम् (4) वात्सल्यांगम्

58. अनुकूल प्रतिकूल सामग्री प्रदायकं कर्म-

(1) आयुर्कर्म (2) वेदनीयकर्म (3) दर्शनावरणीकर्म (4) नामकर्म

59. द्रव्यसंग्रहस्य कर्ता अस्ति-

(1) आचार्य कुन्दकुन्दः (2) आचार्यउमास्वामी

(3) आचार्य हरिभद्रः (4) आचार्यनेमिचन्द्रः

60. मुनीनां मूलगुणाः भवन्ति-

(1) विंशतिः (2) त्रिंशत् (3) अस्याविंशतिः (4) एकादश

61. श्रावकाणां मूलगुणाः भवन्ति-

(1) सप्त (2) अष्ट (3) नव (4) दश

62. श्रावकस्य प्रतिमाः भवन्ति-

(1) नव (2) दश (3) एकादश (4) द्वादश

63. आचार्य हेमचन्द्रस्य ग्रन्थरचना अस्ति-

(1) न्यादीपिका (2) परीक्षामुखः (3) प्रमाणमीमांसा (4) तत्त्वार्थसूत्रम्

64. आचार्यहरिभद्रस्य ग्रन्थरचना अस्ति-

- (1) समयसारः (2) षड्दर्शनसमुच्चयः (3) परीक्षामुखः (4) तत्त्वार्थसूत्रम्

65. स्याद्वादमंजर्याः कर्ता कः -

- (1) आचार्यकुन्दकुन्दः (2) आचार्यहेमचन्द्रः
(3) आचार्यमल्लिषेणः (4) आचार्यनेमिचन्द्रः

66. जैनदर्शने प्रमाणम् मन्यते-

- (1) सन्निकर्षम् (2) इन्द्रियवृत्तिं (3) सम्यग्ज्ञानं (4) वेदम्

67. आदिनाथस्य अपरनाम अस्ति-

- (1) नेमिनाथः (2) पारसनाथः (3) अजितनाथः (4) ऋषभदेवः

68. पंचकल्याणकेषु न गण्यते-

- (1) जन्मकल्याणकं (2) ज्ञानकल्याणकं (3) रात्यकल्याणकं (4) तपकल्याणकं

69. सर्वे जैनसम्प्रदायाः मन्यते-

- (1) समयसारः (2) आचारांगसूत्रम् (3) स्वयंभूस्तोत्रम् (4) तत्त्वार्थसूत्रम्

70. प्रवचनसारस्य कर्ता अस्ति-

- (1) आचार्यकुन्दकुन्दः (2) आचार्यहेमचन्द्रः
(3) आचार्यहरिभद्रः (4) आचार्य उमास्वामी

17P/268/17

71. सम्यग्ज्ञानस्य भेदाः सन्ति-

- (1) त्रयः (2) पञ्च (3) चत्वारः (4) षट्

72. सल्लेखनास्वरूपस्य वर्णनम् अस्ति-

- (1) द्रव्यानुयोगे (2) चरणानुयोगे (3) करणानुयोगे (4) प्रथमानुयोगे

73. तत्त्वार्थसूत्रस्य टीका नास्ति-

- (1) सर्वार्थसिद्धिः (2) प्रमेयरत्नमाला
(3) तत्त्वार्थराजवार्तिकम् (4) तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकम्

74. परीक्षामुखसूत्रे कति परिच्छेदाः सन्ति-

- (1) चत्वारः (2) षट् (3) अष्ट (4) दश

75. घातियाकर्म भवन्ति-

- (1) द्वे (2) त्रीणि (3) चत्वारि (4) पञ्च

76. स्थितिसहायकं द्रव्यम् अस्ति-

- (1) धर्मद्रव्यम् (2) अधर्मद्रव्यम् (3) कालद्रव्यम् (4) आकाशद्रव्यम्

77. गतिसहायकं द्रव्यम् अस्ति -

- (1) धर्मद्रव्यम् (2) अधर्मद्रव्यम् (3) आकाशद्रव्यम् (4) कालद्रव्यम्

78. परिणमने सहायकं द्रव्यम् अस्ति-

- (1) कालद्रव्यम् (2) आकाशद्रव्यम् (3) धर्मद्रव्यम् (4) अजीवद्रव्यम्

79. अघातियाकर्म अस्ति-

- (1) मोहनीयम् (2) दर्शनावरणम् (3) ज्ञानावरणम् (4) आयुः

80. घातियाकर्म अस्ति-

- (1) आयुः (2) नाम (3) गोत्रम् (4) मोहनीयम्

81. आत्मनि कर्मणाम् आगमनम् -

- (1) संवरः (2) निर्जरा (3) आस्रवः (4) मोक्षः

82. नवीनकर्मणाम् आगमनस्यनिरोधः-

- (1) संवरः (2) निर्जरा (3) आस्रवः (4) बन्धः

83. तत्त्वार्थश्रद्धानं कथ्यते-

- (1) सम्यग्दर्शनं (2) सम्यग्ज्ञानं (3) सम्यक्चारित्र्यम् (4) सम्यक्तपः

17P/268/17

84. जैनतीर्थकराः भवन्ति-

- (1) दश (2) चतुर्दश (3) द्वादश (4) चतुर्विंशतिः

85. द्रव्यस्य लक्षणम् अस्ति-

- (1) क्षणिकः (2) मूर्तिकः (3) उपयोगः (4) सत्

86. जीवस्य लक्षणम् अस्ति

- (1) मोहः (2) रागद्वेषौ (3) सत् (4) चेतना

87. अवकाश दानं करोति-

- (1) जीवद्रव्यं (2) धर्मद्रव्यं (3) पुद्गलद्रव्यम् (4) आकाशद्रव्यम्

88. संसारिजीवस्य गतिः कतिविधा भवति ?

- (1) चतुर्विधा (2) पञ्चविधा (3) षड्विधा (4) अष्टविधा

89. उपयोगलक्षणम् अस्ति-

- (1) जीवद्रव्यस्य (2) पुद्गलद्रव्यस्य (3) धर्मद्रव्यस्य (4) अधर्मद्रव्यस्य

90. स्पर्शरसादयः भवन्ति-

- (1) अधर्मद्रव्ये (2) पुद्गलद्रव्ये (3) धर्मद्रव्ये (4) कालद्रव्ये

91. गृहपिच्छाचार्यः कोऽस्ति-
- (1) अकलंकः (2) हरिभद्रः (3) उमास्वामी (4) हेमचन्द्राचार्यः
92. आचार्यकुन्दकुन्दस्य ग्रन्थानां भाषा अस्ति-
- (1) संस्कृतम् (2) मागधी (3) शौरसेनी (4) अपभ्रंशः
93. समयसारस्य टीकाकारः अस्ति-
- (1) नेमिचन्द्रः (2) समन्तभद्रः (3) कुन्दकुन्दः (4) अमृतचन्द्रः
94. सूत्रग्रन्थस्य लेखकः-
- (1) उमास्वामी (2) नेमिचन्द्रः (3) अनन्तवीर्यः (4) कुन्दकुन्दः
95. समणसुतस्य संपादकः -
- (1) कुन्दकुन्दः (2) मल्लिषेणः (3) उमास्वामी (4) जिनेन्द्रवर्णी
96. भगवतो महावीरस्य माता-
- (1) सुन्दरी (2) त्रिशला (3) ब्राह्मी (4) मरुदेवी
97. भगवन्महावीरस्य निर्वाणभूमिः -
- (1) पावापुरी (2) सम्पेदशिखरः (3) वैशाली (4) अयोध्या

17P/268/17

98. तीर्थकरमहावीरस्य मुख्यगणधरः -

- (1) कुन्दकुन्दः (2) उमास्वामी (3) इन्द्रभूतिः गौतमः (4) धरसेनाचार्यः

99. सन्मतिः कस्य नाम आसीत् -

- (1) पार्श्वनाथस्य (2) आदिनाथस्य (3) महावीरस्य (4) नेमिनाथस्य

100. भरतचक्रवर्तिनः पिता आसीत् -

- (1) ऋषभदेवः (2) रामः (3) सिद्धार्थः (4) बलरामः

101. भरतचक्रवर्तिनः भ्राता आसीत् -

- (1) रामः (2) लक्ष्मणः (3) बाहुबली (4) महावीरः

102. ऋषभदेवस्य पुत्री -

- (1) ब्राह्मी-सुन्दरी (2) मैनासुन्दरी (3) सीता-गीता (4) विधि-निधि

103. बाहुबली प्रतिमा विख्याता-

- (1) वाराणसीस्था (2) श्रवणबेलगोलास्था (3) बिहारस्था (4) दिल्लीस्था

104. तीर्थकरस्य माता कति स्वप्नान् पश्यति ?

- (1) दश (2) एकादश (3) द्वादश (4) षोडश

105. षट्खण्डागमस्य प्रेरकः-

- (1) धरसेनः (2) देवसेनः (3) मल्लिषेणः (4) जयसेनः

106. परमेष्ठिनः कति भवन्ति-

- (1) चत्वारः (2) पञ्च (3) षट् (4) सप्त

107. जैनदर्शनस्य पत्रिका वर्तते-

- (1) संस्कृतमंजरी (2) शोधप्रभा (3) प्राकृतविधा (4) इंडियाटुडे

108. कषायाः कति भवन्ति ?

- (1) द्वौ (2) त्रयः (3) चत्वारः (4) पञ्च

109. सम्मेदशिखरः कुत्र अस्ति ?

- (1) बिहारे (2) आगरानगरे (3) उज्जैननगरे (4) वाराणस्याम्

110. गुणस्थानानि भवन्ति-

- (1) दश (2) एकादश (3) द्वादश (4) चतुर्दश

111. दीपावली कस्य उत्सवः अस्ति ?

- (1) महावीरस्य (2) पार्श्वनाथस्य (3) आदिनाथस्य (4) नेमिनाथस्य

17P/268/17

112. नेमिनाथस्य निर्वाणभूमिः-

- (1) गिरनारः (2) वैशाली (3) पावापुरी (4) अयोध्या

113. समवशरणे उपदिशति-

- (1) अरिहंतः (2) सिद्धः (3) उपाध्यायः (4) साधू

114. भाद्रपदमासे भवति-

- (1) दशलक्षणम् (2) दीपावली (3) रक्षाबन्धनम् (4) विजयादशमी

115. वात्सल्यपर्वं विद्यते-

- (1) विजयादशमी (2) रक्षाबन्धनम् (3) दशलक्षणम् (4) दीपावली

116. विश्वमैत्री पर्वं विद्यते-

- (1) विजयादशमी (2) रक्षाबन्धनम् (3) क्षमावाणी (4) दीपावली

117. द्विइन्द्रिय जीवः अस्ति-

- (1) कृमिः (2) पिपीलिका (3) भ्रमरः (4) वृक्षः

118. सर्वकर्मविरहितः परमेष्ठी-

- (1) आचार्यपरमेष्ठी (2) अरिहंतपरमेष्ठी (3) सिद्धपरमेष्ठी (4) साधुपरमेष्ठी

119. निक्षेपाः भवन्ति-

- (1) त्रयः (2) चत्वारः (3) पञ्च (4) षड्

120. शब्दः पर्यायः अस्ति-

- (1) जीवस्य (2) पुद्गलस्य (3) धर्मस्य (4) अधर्मस्य

17P/268/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

17P/268/17

ROUGH WORK
रफ़ कार्य

23

P.T.O.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
11. रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त केवल ओ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की, भागी होगा/होगी।

SEAL